

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20 ]  
No. 20]नई दिल्ली, बृहस्पती, जनवरी 16, 2003/पौष 26, 1924  
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 16, 2003/PAUSA 26, 1924

प्राधिकार एवं उच्चोग मंत्रालय

(प्राधिकार विभाग)

जांच शुल्कादी संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2003

**विषय: जीव जनवादी गणराज्य मूल के अधार वहां से निर्वाचित टाइटेनियम डाइऑक्साइड के आवास के क्षेत्र में जांच शुल्कादी जांच की शुल्कादी।**

सं. 14/51/2002-डीजीएसी.—टाइटेनियम डाइऑक्साइड निर्माता संघ ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क टैक्सि (प्राप्ति वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य से टाइटेनियम डाइऑक्साइड (एनाटेस टाइप) के पाटन का आरोप लगाया गया है और प्राटनरोधी जांच शुरू करने वाला पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. इतिहास उत्पाद

वर्तमान याचिका में विवारणीन उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य मूल के अधार वहां से निर्वाचित टाइटेनियम डाइऑक्साइड (एनाटेस टाइप) है। टाइटेनियम डाइऑक्साइड एनाटेस एक सफेद रंग द्रव्य है तथा इसमें बहुत अधिक श्वेतता होती है। इसमें आमा एवं गोपन शक्ति किसी भी अन्य रंग द्रव्य से बेहतर होती है तथा प्रकाश और ताप के विरुद्ध इसमें स्थिरता और टिकाऊगत भी होता है। यह विष रहित है। टाइटेनियम डाइऑक्साइड को असौंथ व्यापार वर्गीकरण के अंतर्गत सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष 28.23.00 तथा 28.23.00.01 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। लक्षात्पि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार व्याध्यकारी नहीं है।

**2. घरेलू उद्योग का आधार**

यह याचिका टाइटेनियम डाइआक्साइड विनिर्माता एसोसिएशन ने भारतीय उत्पादकों की ओर से दायर की है। द्रावनकोर टाइटेनियम प्रोडक्ट लिंग इस एसोसिएशन का सदस्य है तथा टाइटेनियम डाइआक्साइड (एनाटेस टाईप) का प्रमुख उत्पादक है। मैं द्रावनकोर टाइटेनियम प्रोडक्ट लिंग, तिरुकनम्पुरम, केरल राज्य ने वर्तमान याचिका के संबंध में सभी संगत सूचना प्रदान की है तथा उसका उल्लेख याचिकाकर्ता कंपनी के रूप में किया गया है। मैं कोलमेंक केमिकल्स, कोलकाता तथा मैं किलबर्न केमिकल्स, चेन्नई टाइटेनियम डाइआक्साइड के अन्य उत्पादक हैं तथा इन दोनों कंपनियों ने पाटनरोधी याचिका का समर्थन किया है। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का लगभग 57 % बनता है तथा उनके पास याचिका दायर करने का आधार है।

**3. शामिल देश:** वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है)।

**4. समान वस्तु:** याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापन आधार पर, संबद्ध देश में उत्पादित वहां के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान माना जा रहा है।

**5. सामान्य मूल्य:** याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जनवादी गणराज्य दिनांक 4 जनवरी, 2002 की अधिसूचना 1/2001 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्थ वाला देश है तथा अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य को बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु विधिवत समायोजित परिकलित उत्पादन लागत पर आधारित होना चाहिए।

सम्बद्ध देश में टाइटेनियम डाइआक्साइड (एनाटेस) के सामान्य मूल्य के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं।

**6. निर्यात कीमत:** याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का दावा अप्रैल 2001-जून 2002 की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस, कलकत्ता द्वारा उपलब्ध सूचना (नवीनतम उपलब्ध) के आधार पर किया है। कारखाना द्वारा पर कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े समुद्री बीमा, अंतर्रेशीय भाड़े पत्तन-व्यय के कारण समायोजनों का दावा किया है।

सम्बद्ध देश में टाइटेनियम डाइआक्साइड (एनाटेस) के निर्यात मूल्य के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य है।

**7. पाटन मार्जिन:** सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से काफी अधिक है।

इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल उस मूल्य से काफी अधिक है जिस पर भारत को उसका निर्यात किया गया है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा सम्बद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध क्षति से संबंधित विभिन्न मापदण्डों जैसे निर्यात मूल्य में कमी, आयात मात्रा में वृद्धि उत्पादन क्षमता उपयोग में कमी, घरेलू उद्योग की प्रतिकूल लाभप्रदता तथा सम्बद्ध वस्तु की बिक्री से उचित एवं संकलित कीमत न मिलने से घरेलू उद्योग को हानि से सामूहिक एवं संचयी तौर पर प्रथम दृष्टया यह मालूम होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

9. पाटनरोधी जांच की शुरुआत: उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

10. जांच की अवधि: वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जनवरी, 2002 से दिसम्बर, 2002(12 महीने) तक की है।

11. सूचना प्रस्तुत करना: संबद्ध देशों के निर्यातकों और संबंधित समझे जाने वाले भारत के आयातकों को निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने के लिए अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर जांच से संबंधित अपने निवेदन भेज सकती है।।

12. समय सीमा: वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप से उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को भेजी जाए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से पत्र लिखे जा रहे हैं उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के अन्दर सूचना भेजनी होगी।

13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण: नियम 6(7) के अनुसार, कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने से मना करता है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th January, 2003

**Subject : Initiation of Anti-Dumping investigation concerning import of Titanium Dioxide originating in or exported from People's Republic of China.**

No. 14/51/2002-DGAD.— Titanium Dioxide Manufacturer's Association has filed a petition in accordance with the Custom Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) alleging dumping of Titanium Dioxide (Anatase Type) from People's Republic of China and requested initiation of anti dumping investigation and levy of anti dumping duty.

**1. PRODOUCT INVOLVED**

The product under consideration in the present petition is Titanium Dioxide (Anatase Type) originating in or exported from People's Republic of China. Titanium Dioxide Anatase is a white pigment and has a very high degree of whiteness. Its tinting strength and hiding power are superior to any other pigment, and it also has stability and durability against light and heat. It is nontoxic. Titanium Dioxide is classified under Custom Tariff heading 28.23.00 and 28.23.00.01 under Indian Trade Classification. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

**2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING**

Titanium Dioxide Manufacturer's Association has filed the petition on behalf of Indian Producers. Travancore Titanium Product Limited is the member of the Association and a major producer of Titanium Dioxide (Anatase Type). M/s Travancore Titanium Product Limited, Thiruvananthapuram, Kerala State has provided all relevant information with regard to the present petition and has been referred as "Petitioner company". M/s Kolmak Chemicals, Kolkata and M/s Kilburn Chemicals, Chennai are other producers of Titanium Dioxide and both these companies have supported the anti-dumping petition. The Petitioner Company represents about 57% of Indian Production during the period of investigation and satisfies the standing to file the present petition.

**3. COUNTRY (IES) INVOLVED:**

Country involved in the present investigation is People's Republic of China (referred to as subject country/ies hereinafter)

#### 4. LIKE ARTICLE

The petitioner has claimed that goods produced by them are like article to the goods produced, originating in or exported from the subject country, on grounds of technical and commercial substitutability. Goods produced by the petitioner are being treated as like article to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rules.

#### 5. NORMAL VALUE

The petitioner has claimed China PR as non market economy country in terms of Notification 1/2001 dated 4<sup>th</sup> January, 2002 and have requested that the normal value be based on the constructed cost of production duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and reasonable profit margin.

There is sufficient prime facie evidence with regard to normal value of Titanium Dioxide (Anatase) in the subject country.

#### 6. EXPORT PRICE

The petitioner has claimed the export price of subject goods based on information furnished by DGCI & S, Calcutta for the period April 2001- June 2002 (latest available). Adjustments have been claimed on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Inland Freight, Port Expenses to arrive at Ex- factory level.

There is sufficient prime facie evidence with regard to Export Price of Titanium Dioxide (Anatase) from the subject country.

#### 7. DUMPING MARGIN

Considering the normal value and export price, the dumping margin is significantly higher than the de-minimus limits.

There is sufficient price -facie evidence that Normal Value of subject goods in the subject country is significantly higher than the price at which it has been exported to India, indicating, prima-facie that subject goods are being dumped by exporters from subject country.

#### 8. INJURY AND CAUSAL LINK

Various parameter relating to injury such as the decline export price, increase in import volume, decline in production, capacity utilization, adverse profitability of Domestic Industry, inability of the domestic industry to realise fair and reasonable price from sale of subject goods, collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury.

There is sufficient prime facie evidence that Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

**9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATION**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraph, initiates anti dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods origination in or exported from the subject country.

**10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)**

The period of investigation for the purpose of present investigation is 1<sup>st</sup> January, 2002 to December, 2002 (12 month).

**11. SUBMISSION OF INFIRMATION**

The exporters in the subject country and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of commerce & Industry, Department of Commerce, Directorate General of Anti Dumping and Allied Duties (DGAD), Udyog Bhawan, New Delhi- 110011. Any other interested party may also makes its submission relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**12. TIME LIMIT**

Any formation relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this information. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

**13. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6 (7), any interested party may inspect the public file containing non confidential version of the evidence submits by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available and makes such recommendations to the Central Government as deemed fit

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority